



## **IIM Raipur hosts Shaktirath 2024- Celebrating the journey of women in business.**

Indian Institute of Management (IIM) Raipur proudly hosted the second edition of Shaktirath 2024. The institute successfully orchestrated the Shaktirath 2024, a momentous event dedicated to celebrating and empowering women leaders across diverse industries. The event commenced with the symbolic illumination of the lamp, setting the stage for profound discussions on gender equality, leadership, and innovation.

Prof. Rashmi Shukla, Chairperson Placements, IIM Raipur, initiated discussions on the pressing need for gender inclusivity in leadership roles. Prof. Ram Kumar Kakani, Director, IIM Raipur, shed light on societal challenges affecting moral standards and advocated for individual strictness. Chief Guest Ms. Anjani Madhavi, Senior leader, brought a financial perspective, emphasizing the economic benefits of gender equality. "Women who became shakti Ammas, sold and earned money, proving they are rarely loan defaulters." She then delved into issues of bias, resilience, and the pivotal role of women in shaping the future.

The inaugural panel on "Empowering Future Women Leaders" at Shaktirath 2024 featured insights from Ms. Aditi Hingu, Founder and CEO of Autumn Consulting Services, Ms. Dhanya Ros Mathew, Head of Customer Engagement at Fujitsu, Ms. Krithika Sivanesan, DVP - Human Resources at Mercedes-Benz Financial India, and Dr. Surabhi Gangwar, MLA, UP. Moderated by Dr. Arunima Shah, the discussion highlighted unique perspectives, addressing biases, and emphasizing the transformative power of confidence. Ms. Hingu's statement, "Life throws challenges, but resilience is the only alternative. One day in your 60s, you'll look back and be happy," resonated with the theme. The collective insights underscored the need for continuous dialogue, diverse leadership styles, and increased representation for women across sectors.

The second panel, "Tech-savvy Trailblazers," led by Dr. Anubha Dadhich, delved into the realms of women propelling innovation and entrepreneurship. Notable guests, including Ms. Anjali Trehan, Department Manager-HR, Usha International; Ms. Janaki Krishnamoorthy, Founder and CEO, SEC Communications Pvt. Ltd; Ms. Kasturi Cotha, Head of HR, Bangalore & HRBP, Global-Product and Technology, Taylor, and Francis Group; and Ms. Nupur Ajit D'Souza, DGM-HR, Sun Pharma, shared valuable insights. Ms. Janaki Krishnamoorthy encapsulated the essence with her advice, "To succeed in business, be passionate, have a plan, seek great mentorship, and persevere for the long run. Aim for perfection, knowing you may not be perfect initially." The discussions emphasized mentorship, sustainability, and effective strategies for entrepreneurial success.

The third Panel on "Cultivating future leaders: Young women in management", where leaders addressed the paradox of strong communication and networking skills in women without commensurate recognition. Ms. Medha Sarkar, CEO- Factworks, India Pvt. Ltd stressed the importance of indirect mentorship and family support in research, while Ms. Meeta Kapur, Head - Content strategy, BeatO highlighted the less glamorous side of the media industry. Ms. Namita Khurana, Principal Director, Accenture - Strategy and Consultancy emphasized excellence and diversified portfolios, and Ms. Namrata Dewan, Lead- Corporate communications, Zydus Wellness challenged stereotypes around motherhood in leadership. Ms. Shalini

Shingari, Senior Director, Pine Labs underscored the role of passion and a supportive environment. The collective message was clear: a supportive ecosystem, passion, and continual learning are crucial for women in leadership roles.

As the empowering echoes of Shaktirath 2024 reverberate, let us carry forward the commitment to gender equality, resilience, and innovation. IIM Raipur's dedication to fostering meaningful conversations paves the way for an inclusive and diverse future, leaving a lasting impact on aspiring professionals and thought leaders alike. May the momentum generated continue to inspire positive change beyond the event's conclusion.

### **About IIM Raipur:**

Established in 2010, IIM Raipur is a hub for nurturing dynamic leaders, equipping them with the knowledge, experience, and invaluable contacts needed to excel in their respective fields of business. Our institution draws strength from over 50 accomplished academicians across various business domains and over 700 of the brightest minds in the country. In 2023, IIM Raipur proudly achieved significant rankings, including 11th in the MHRD-NIRF Business Ranking, securing the top spot in the CSR-GHRDC B-school Ranking, and ranking 8th in the Outlook-ICARE list. We are one of the fastest-growing IIMs in the nation. Nestled in the vibrant heart of Chhattisgarh, Naya Raipur, our new, state-of-the-art campus seamlessly blends modern architecture with Chhattisgarh's rich culture and heritage, creating a unique and inspiring learning environment.



## भा.प्र.सं. रायपुर ने व्यवसाय में महिलाओं की यात्रा का जश्न मनाते हुए शक्तिरथ 2024 की मेजबानी की

भारतीय प्रबंध संस्थान (भा.प्र.सं.) रायपुर ने गर्व से शक्तिरथ 2024 के दूसरे संस्करण का आयोजन किया। संस्थान ने शक्तिरथ 2024 को सफलतापूर्वक संचालित किया, एक ऐतिहासिक कार्यक्रम जो विभिन्न उद्योगों में महिला नेताओं का सम्मान और सशक्तिकरण करने के लिए समर्पित था। इस कार्यक्रम की शुरुआत प्रतीकात्मक दीप प्रज्ज्वलन से हुई, जिसने लीडरशिप, और नवाचार पर गहरे विचारों के लिए मंच को तैयार किया।

भा.प्र.सं. रायपुर की प्लेसमेंट अध्यक्ष प्रोफेसर रश्मि शुक्ला ने नेतृत्व भूमिकाओं में लैंगिक समावेशन की तत्काल आवश्यकता पर चर्चाएं आरंभ की। प्रोफेसर राम कुमार काकानी, भा.प्र.सं.रायपुर के निदेशक, ने नैतिक मानकों को प्रभावित करने वाली सामाजिक चुनौतियों पर प्रकाश डाला और व्यक्तिगत कड़ीता का समर्थन किया। मुख्य अतिथि श्रीमती अंजनी माधवी, वरिष्ठ नेता, ने एक आर्थिक दृष्टिकोण लाया, जिसमें लैंगिक समानता के आर्थिक लाभों पर जोर दिया। "जो महिलाएं शक्ति अम्मा बन गईं, वह बेचती और कमाती हैं, यह साबित करती है कि वे बहुत कम ऋणवाले होते हैं।" उन्होंने फिर भूमिका विशेषता, सहनशीलता, और महिलाओं के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में बातचीत की।

"शक्तिरथ 2024" में "भविष्य की महिला नेताओं को सशक्त करना" पर उद्घाटन पैनल में मिसेज अदिति हिंगू, ऑटम कंसल्टिंग सेवाओं की संस्थापक और सीईओ, मिसेज धन्या रॉस मैथ्यू, फुजित्सु के ग्राहक आंगन की प्रमुख, मिसेज कृतिका सिवनेसन, मर्सिडीज-बेंज वित्तीय इंडिया की उप महाप्रबंधक - मानव संसाधन, और डॉ. सुरभी गंगवार, यूपी की विधायिका, के विचारों का उल्लेख किया गया। चर्चा को डॉ. अरुणिमा शाह ने संयोजित किया, जिसमें अनूठे दृष्टिकोणों को हाइलाइट किया गया, पूर्वाग्रहों का सामना किया और आत्मविश्वास की परिवर्तनशील शक्ति पर जोर दिया। मिस हिंगू के बयान, "जिंदगी चुनौतियों को फेंकती है, लेकिन सहनशीलता ही एकमात्र विकल्प है। आपके 60 वर्षों में एक दिन, आप पीछे मुड़कर देखेंगे और खुश होंगे," इस थीम के साथ संवाद करते हैं। समूह के उपदेशों ने निरंतर बातचीत, विविध नेतृत्व शैलियों की आवश्यकता, और विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं के लिए बढ़ती प्रतिनिधित्व को जोरदार रूप से उजागर किया।

शक्तिरथ 2024 में "टेक-सेव्वी ट्रेलब्लेज़र्स" नामक दूसरे पैनल का आयोजन डॉ. अनुभा दाधिच ने किया, जिसमें नवप्रवर्तन और उद्यमशीलता को बढ़ावा देने वाली महिलाओं के क्षेत्र में विचार किया गया। श्रेणीय अतिथियों में शामिल थीं, श्रीमती अंजली त्रेहान, विभाग प्रबंधक-मानव संसाधन, उषा इंटरनेशनल; श्रीमती जानकी कृष्णमूर्ति, संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, एसईसी कम्युनिकेशंस प्रा. लिमिटेड; श्रीमती कस्तुरी कोठा, मानव संसाधन की प्रमुख, बेंगलूर और एचआरबीपी, ग्लोबल-प्रोडक्ट और टेक्नोलॉजी, टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप; और श्रीमती

नूपुर अजीत डी'सूजा, उपाध्यक्ष-मानव संसाधन, सन फार्मा, ने मूल्यवान दृष्टिकोण साझा किए। श्रीमती जानकी कृष्णमूर्ति ने अपनी सलाह के साथ महत्व को संक्षेपित किया, "व्यापार में सफल होने के लिए, उत्साही रहें, एक योजना हो, श्रेष्ठ मेंटरशिप खोजें, और दीर्घकालिक जागरूकता के लिए अटल रहें। परिपूर्णता का लक्ष्य रखें, जानते हुए कि आप शुरुआत में परिपूर्ण नहीं होंगे।" चर्चाओं में उद्यमशीलता की सफलता के लिए मार्गदर्शन, स्थिरता और प्रभावी रणनीतियों पर जोर दिया गया।

तीसरा पैनल "भविष्य के नेताओं का विकास: प्रबंधन में युवा महिलाएं", जहां नेताओं ने महिलाओं में मजबूत संचार और नेटवर्किंग कौशलों के पर्याप्त पहचान के बिना सामंजस्य के पराधीन होने का विरोध किया। मिस मेधा सरकार, सीईओ - फैक्टवर्क, इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने अप्रत्यक्ष परामर्श और परिवार समर्थन की महत्वता पर जोर दिया, जबकि मिस मीता कपूर, हेड - कंटेंट स्ट्रैटेजी, बीटओ ने मीडिया इंडस्ट्री के अधिक भव्य पक्ष को उजागर किया। मिसेज नमिता खुराना, प्रिंसिपल डायरेक्टर, एकसेंचर - स्ट्रेटेजी और कंसल्टेंसी ने उत्कृष्टता और विविधिकृत पोर्टफोलियों की महत्वता पर जोर दिया, और मिसेज नमता देवान, लीड - कॉर्पोरेट संचार, ज़ाइडस वेलनेस ने नेतृत्व में मातृत्व के चित्रों पर चुनौतियों का मुकाबला किया। मिसेज शालिनी शिंगारी, सीनियर डायरेक्टर, पाइन लैब्स ने प्रेरणा और समर्थक वातावरण की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। संगठन का सार्वजनिक संदेश स्पष्ट था: नेतृत्व भूमिकाओं में महिलाओं के लिए समर्थनशील पारिस्थितिकी, प्रेरणा, और लगातार शिक्षा अत्यंत आवश्यक हैं।

जैसे शक्तिरथ 2024 की सशक्त गूंज गूंज रही है, भा.प्र.सं. रायपुर की जागरूकता महिला समानता, सहनशीलता, और नवाचार के प्रति समर्पण को आगे बढ़ाने के लिए हमें प्रेरित करती है। सार्थक बातचीत को बढ़ावा देने के लिए भा.प्र.सं. रायपुर का समर्पण, आगे जाने का मार्ग प्रशासनिक और विचारकों के बीच एक समावेशी और विविध भविष्य के लिए खड़ा करता है। घटना के समापन के बाद आशा है कि उत्साह उत्पन्न होता रहेगा, और सकारात्मक परिवर्तन को प्रेरित करेगा।

### **भा. प्र. सं. रायपुर के बारे में:**

2010 में स्थापित, भा. प्र. सं. रायपुर एक ऐसा केंद्र है जो गतिशील नेताओं को पोषित करने के लिए है, जो उन्हें व्यापार के अपने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए जरूरी ज्ञान, अनुभव, और अनमोल संपर्क प्रदान करता है। हमारे संस्थान को व्यापार डोमेन के विभिन्न क्षेत्रों में 50 से अधिक प्रतिष्ठित शिक्षाविदों से ताकत प्राप्त है और देश के 700 से अधिक उत्कृष्ट दिमागों से लाभ होता है। 2023 में, भा. प्र. सं. रायपुर ने माननीय मानव संसाधन और विकास मंत्रालय-नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रैंकिंग फ्रेमवर्क (एमएचआरडी-एनआईआरएफ) बिजनेस रैंकिंग में 11वें स्थान, सीएसआर-जीएचआरडीसी बी-स्कूल रैंकिंग में पहले स्थान, और आउटलुक-आईकेएआरई सूची में 8वें स्थान हासिल किया। हम राष्ट्र में सबसे तेजी से बढ़ रहे भा. प्र. सं. में से एक हैं। छत्तीसगढ़ के जीवंत हृदय, नया रायपुर में स्थित हमारा

नया, आधुनिक कैंपस आधुनिक वास्तुकला को छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति और विरासत के साथ मिलाकर एक अद्वितीय और प्रेरणादायक शिक्षा वातावरण बनाता है।

